सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 292 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 3 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

यहां कोई भी आपका सपना पूरा करने के लिए नहीं है। हर कोई अपनी तकदीर और अपनी हकीकत बनाने में लगा है।
-ओशो

51 सालों का अनुभव, मैं व्यक्तिगत... 8 | भाजपा-कांग्रेस के बीच प्रतिष्ठा की... 3 | कानपुर-लखनऊ हाइवे पर टकराए... 7

ममता के भतीजे की रैली से पहले हादसा, बम धमाके में टीएमसी के तीन कार्यकर्ता की मौत

» धमाके के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है

» मौके से तीन शव बरामद नहीं हो पाई है शवों की पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगाल। पश्चिम बंगाल के पुरबा मेदिनीपुर इलाके में टीएमसी कार्यकर्ता के घर बम धमाकें में तीन कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। कुछ लोगों के घायल होने की भी सूचना है। यहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी के जनरल सेक्रेट्री अभिषेक बनर्जी की आज रैली होनी थी। बम ब्लास्ट की यह घटना शुक्रवार देर रात टीएमसी नेता के घर में हुआ। धमाके के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह धमाका टीएमसी नेता के घर में बम बनाते समय हुआ।

पुरबा मेदिनीपुर सीमा के भूपति नगर थाने के अर्जुन नगर इलाके में तृणमूल कांग्रेस के बूथ अध्यक्ष राजकुमार मन्ना के घर में शुक्रवार की रात विस्फोट हुआ, जिसमें टीएमसी के तीन कार्यकर्ताओं की मौत हो गयी। इस घटना के बारे में प्रभारी अधिकारी भूपति नगर काजल दत्ता ने बताया कि पुरबा मेदिनीपुर में टीएमसी बूथ अध्यक्ष के आवास पर धमाका हुआ। मौके से तीन शव बरामद किए गए हैं और उनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक राजकुमार मन्ना के घर में हुआ धमाका इतना जोरदार था कि उनका पूरा घर ढह गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुजरात तय करेगा कि दिल्ली में 2024 में किसकी बनेगी सरकार

कम मतदान ने तापमान बढ़ा दिया है सभी दलों का

» कांग्रेस और भाजपा दोनों के सरकार बनाने के दावे

» अहमदाबाद में लगातार दूसरे दिन पीएम मोदी का रोड शो

» सट्टा बाजार में सन्नाटा गुजरात को लेकर नहीं अनुमान लगा पा रहा बाजार

» आम आदमी पार्टी जिसका करेगी नुकसान वो हो जायेगा रेस से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 24 घंटे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना रोड शो दुबारा किया। उन्होंने सूरत में छोटे-छोटे गुटों में लोगों को समझाया। वहीं पहले चरण के मतदान के 24 घंटे बाद सूरत में बिल्डरों और हीरा व्यापारियों के यहां छापे पड़ रहे हैं। ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सबको पता है कि गुजरात दिल्ली का भविष्य बनाने वाला है, अगर जबर्दस्त बहुमत के साथ भाजपा गुजरात जीतती है तो 2024 में एक-एक टिकट सिर्फ मोदी और शाह के कहने पर ही मिलेगा, मगर भाजपा सौ के आस पास रहती है तो यह तय है कि भाजपा में भी बगावत शुरू हो जाएगी।

गुजरात का चुनाव किस ओर मुड़ेगा यह कहना अभी मुश्किल है। कम मतदान ने सभी राजनैतिक पंडितों को उलझा दिया है। आम तौर पर चुनाव में 1 या 2 पर्सेंट वोट कम होने पर ही दर्जनों सीटों की परिणाम पर अंतर पड़ जाता है और गुजरात में 5 पर्सेंट से ज्यादा वोट कम पड़े हैं। लोग हैरान हैं कि पिछले 20 सालों में इतनी मेहनत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कभी नहीं की जितनी इस चुनाव में की है, मगर इस प्रचार के बावजूद मतदान बेहद कम रहा और ये बात किसी को समझ नहीं आ रही।

20
सालों में इतनी मेहनत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कभी नहीं की जितनी इस चुनाव में की

24
घंटे बाद बिल्डरों और हीरा व्यापारियों के यहां पड़ रहे छापे

ये सारा खेल बिगड़ा जब आम आदमी पार्टी ने ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में दस्तक देना शुरू किया। शुरुआती दौर में आम आदमी पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय थी और इस बात से भाजपा बेहद खुश थी, मगर बाद में आम आदमी पार्टी ने शहरी क्षेत्रों में अपनी पकड़ बनायी और मतदान के बाद जब ग्रामीण से ज्यादा शहरी क्षेत्रों में मतदान हुआ तो सारे आंकड़े गड़बड़ा गए हैं। मतदान के आखिरी दिन सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस का दावा है कि पहले चरण में उसे 55 सीटें मिलने वाली है और उसने बकायदा इन सीटों की सूची भी जारी कर दी है। नतीजे क्या होंगे ये तो आठ तारीख को ही पता चलेगा पर तब तक तापमान ऐसे ही बना रहेगा।

नेता जी ने जवानों के सम्मान के लिए बड़ा काम किया: अखिलेश

डिम्पल को भारी मतों से जिताने की अपील

» नेता जी ने ही शहीद जवानों के राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने का बनाया था नियम

» भाजपा ने गरीबों को बांटा मिलावटी तेल और नमक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से सपा की उम्मीदवार डिम्पल यादव को भारी मतों से जिताने की अपील की। अखिलेश यादव ने कहा कि जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र नेताजी और चाचा शिवपाल का बनाया हुआ क्षेत्र है। यहां के लोगों को नेताजी अपना परिवार माना, नेताजी जसवंत नगर के हर गांव और गांव के लोगों के नाम जानते थे।

अखिलेश ने कहा कि नेताजी जमीन से संघर्ष कर ऊंचाई पर पहुंचे। वे लोगों के दुख, दर्द और तकलीफ को समझते थे। उन्हें जब भी मौका मिला तो उन्होंने गरीबों और किसानों के लिए फैसले लिए। नेताजी देश में पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने किसानों का 10 हजार रुपए तक का कर्जा माफ किया। इससे पहले किसी ने किसानों का कर्जा माफ नहीं किया था। तब 10 हजार रुपए की रकम बहुत बड़ी मानी जाती थी। चुंगी व्यवस्था को समाप्त किया। चुंगी के चलते किसान और व्यापारी बहुत परेशान किए जाते थे। अखिलेश यादव ने कहा कि देश की रक्षामंत्री पद पर रहते हुए नेता जी ने जवानों के सम्मान के लिए बड़ा काम किया। उन्होंने शहीद जवानों का पार्थिव शरीर उनके घर तक पहुंचाने और राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार का नियम बनाया। उससे पहले शहीद जवानों के घर सिर्फ टोपी और बेल्ट जाती थी। भाजपा जो सुविधाएं दे रही है वे सब चुनाव तक के लिए हैं। इस सरकार ने गरीबों को मिलावटी तेल, अशुद्ध नमक बांटा है। उन्होंने पूछा भाजपा सरकार ने यहां मैनपुरी क्षेत्र में कौन सड़क और पुल बनाया है? उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से नहीं अधिकारियों से वोट मांग रही है, क्योंकि उसे पता है कि जनता उसे वोट नहीं करेगी। अखिलेश ने कहा कि सभी लोगों को खुशी है कि हम और चाचा शिवपाल जी साथ आ गए। लेकिन भाजपा को हमारे परिवार के बारे में बोलने की बीमारी है।

भाजपा सरकार गुंडई करा रही है: शिवपाल

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने जसवंतनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार गुंडई करा रही है। लोकतंत्र और संविधान पर हमला कर रही है। गरीबों किसानों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बिजली के नाम पर छापेमारी हो रही है। शिवपाल यादव ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और बूथ प्रभारियों से कहा कि चुनाव में वोट प्रतिशत कम नहीं होने देना है। नेताजी को हर वर्ग, जाति, धर्म के लोग बढ़-चढ़कर वोट करते थे और भारी मतों से जिताते थे। उसी तरह तरह से इस चुनाव में डिम्पल यादव को भी ऐतिहासिक मतों से जिताना है। इस अवसर पर इटावा के पूर्व सांसद सर्वश्री प्रेमदास कठेरिया, पूर्व विधायक मनोज चौधरी, पूर्व मंत्री जयप्रकाश यादव, रामवीर सिंह, समेत बड़ी संख्या में नेता कार्यकर्ता मौजूद है।

माता सीता को नहीं मानती भाजपा: राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर हमला बोला है। भाजपा की आलोचना करते हुए राहुल ने कहा कि वे जय श्री राम का नारा देते हैं क्योंकि वे सीता की पूजा नहीं करते हैं। राहुल का यह बयान प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस आलाकमान पर किए गए कटाक्ष के बाद आया है। जहां पीएम ने मल्लिकार्जुन खरगे के रावण वाले बयान की आलोचना की थी और कहा था कि कांग्रेस कभी भी राम में विश्वास नहीं करती।

मध्य प्रदेश के आगर मालवा में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जय सिया राम, या जय सीता राम का अर्थ यह है कि राम और सीता एक ही हैं। लेकिन भाजपा और आरएसएस जय श्री राम का नारा देता है, क्योंकि वो सीता को नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अब अपना नारा बदलना चाहिए। राहुल ने कहा कि सीता के बिना राम अधूरे हैं और जय सिया राम का नारा यह दिखाता है कि दोनों भगवान एक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम सीता के लिए लड़े। हम जय सिया राम का नाम इसलिए जपते हैं क्योंकि हम महिलाओं को सीता का स्वरूप मान कर सम्मान करते हैं। सीता के बिना भगवान राम का नाम अधूरा है, वो एक ही हैं इसीलिए हम जय सियाराम कहते हैं।

बेटियों की करतूत: प्रॉपर्टी के लिए कागजों पर पिता को किया मृत घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। अभी तक आपने कलियुगी बेटों के कई किस्से सुने होंगे, लेकिन दो ऐसी कलियुगी बेटियों भी हैं जिन्होनं जमीन के एक छोटे से टुकड़े के लिये अपने पिता को ही मृत घोषित करा दिया। बेटियों से छला गया पिता पिछले 17 सालों से खुद को जिंदा साबित करने के लिये दर-दर की ठोकरें खा रहा है। छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों तक पीड़ित पिता चक्कर लगा रहा है, लेकिन कहीं से भी उसे न्याय नहीं मिल रहा है।

बाराबंरी सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम तुरकानी के निवासी सत्यनारायण का आरोप है कि सात बीघा जमीन के लिये उनकी दोनों बेटियों ने उन्हें मृत घोषित करा दिया। खुद के जिंदा होने का सुबूत देते-देते थक चुके हैं, लेकिन कहीं भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़ित इंसाफ के लिये जिलाधिकारी अविनाश कुमार के पास पहुंचे, जिसके बाद डीएम ने एसडीएम नवाबगंज विजय कुमार त्रिवेदी को कार्रवाई के लिए निर्देश दिये हैं।

75 जिलों के निकायों के वार्डों की आरक्षण लिस्ट जारी

» आपत्तियों के निस्तारण के बाद जारी होगी फाइनल लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए नगर विकास विभाग की तरफ से सभी 75 जिलों के निकायों के वार्डों की आरक्षण लिस्ट जारी कर दी गयी है। नगर विकास विभाग ने 48 जनपदों के निकायों के वार्डों की आरक्षण सूची 1 दिसम्बर, 2022 को जारी कर दी थी। शेष 27 जनपदों की सूची जारी होनी थी, जिसे शुक्रवार को जारी कर दिया गया। जिन जनपदों के निकायों के लिए वार्ड आरक्षण की सूची जारी की गयी है उनमें जनपद शामली, आम्बेडकरनगर, आगरा, आजमगढ़, इटावा, कन्नौज, कानपुर, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज, फतेहपुर, फर्रूखाबाद, बलिया, बिजनौर, बुलंदशहर, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, मेरठ, मैनपुरी, रामपुर, ललितपुर, सहारनपुर, सीतापुर और हरदोई शामिल हैं।

कानपुर जिले की भी निकायों के वार्डों की आरक्षण की सूची जारी की गई। 7 दिनों के भीतर संबंधित जिलों के डीएम के पास आरक्षण को लेकर आपत्तियां दाखिल की जा सकती है। जिसके बाद आपत्तियों को निस्तारित कर फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। आरक्षण की फाइनल लिस्ट आने के बाद ही उम्मीदवारों का चयन होगा। प्रस्तावित आरक्षण लिस्ट जारी होने के बाद कानपुर में भी कई सीटों पर बदलाव देखने को मिला है, जिससे चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कई दिग्गजों को झटका भी लगा है। जबकि कई सीटों पर प्रत्याशियों को राहत भी मिली है।

सेना में फर्जी दस्तावेज लगाकर नौकरी पाने का मामला

एफआईआर दर्ज, सीबीआई ने शुरू की जांच

» फर्जी दस्तावेजों के जरिए 34 लोगों ने पास की परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में 2016 के दौरान हुई सेना भर्ती रैली मामले में सीबीआई ने 40 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सीबीआई की शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस भर्ती में रिश्वत देकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए 34 लोगों ने परीक्षा पास कर ली। यही नहीं इनमें से 30 लोगों ने ज्वाइन कर ट्रेनिंग भी हसिल कर ली। मामले में सेना भर्ती कार्यालय में तैनात रहे हवलदार गिरीश एनएच ने बिचौलिए के जरिये रिश्वत लेने की बात कुबूल की है। वहीं अब सभी निवास प्रमाणपत्र हमीरपुर से जारी होने पर सीबीआई की टीम ने जिले में डेरा डाल दिया है और लेखपाल, ग्राम प्रधान और सभासदों को तलब किया है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे नोएडा, बागपत, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, रायबरेली और बुलंदशहर के रहने वाले युवकों ने खुद को हमीरपुर का निवासी बताते हुए फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनवाए। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में फर्जी तरीके से नौकरी पाने वाले इन 34 लोगों के साथ ही सेना के हवलदार गिरीश एनएच, 5 बिचौलियों और हमीरपुर के एसडीएम व तहसीलदार के कार्यालय में तैनात रहे अज्ञात कर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

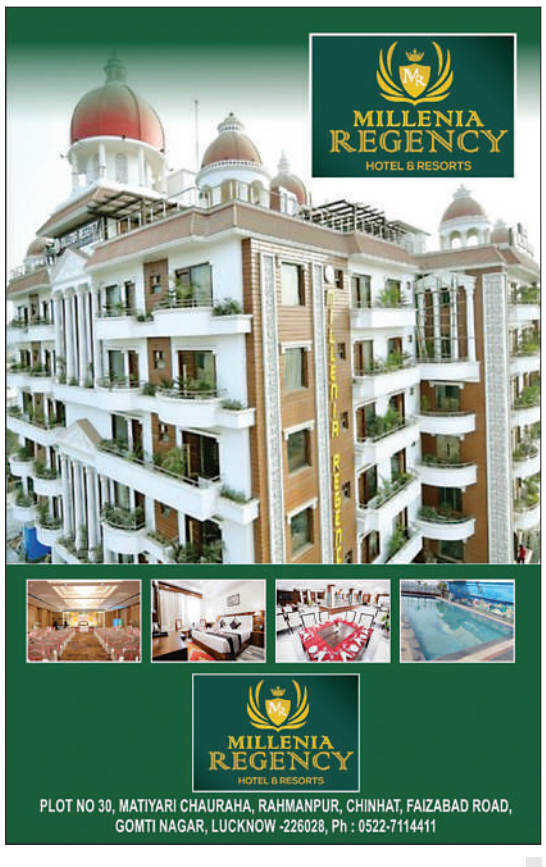

गुजरात चुनाव: अल्पसंख्यक और दलित बहुल दानीलिम्डा सीट पर मचा घमासान

भाजपा-कांग्रेस के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई

एआईएमआईएम के आने से चुनावी गणित गड़बड़ाया

» इस सीट पर भाजपा ने कभी नहीं जीता चुनाव

» चतुष्कोणीय मुकाबले में भाजपा को कांग्रेस के विभाजित मतों का सहारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदान पांच दिसंबर को होना है। बताते चलें कि पहले चरण के लिए 89 सीटों पर मतदान हुआ था। जबकि, शेष 93 सीटों पर मतदान दूसरे चरण में होगा। गुजरात के अहमदाबाद शहर में अल्पसंख्यक और दलित बहुल दानीलिम्डा विधानसभा सीट पर नियंत्रण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई चल रही है। करीब एक दशक पहले अस्तित्व में आई इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी कभी चुनाव नहीं जीती है लेकिन भाजपा को इस बार यह मिथक टूटने की उम्मीद है क्योंकि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और आम आदमी पार्टी के भी यहां से प्रत्याशी उतारने के बाद चतुष्कोणीय मुकाबले में उसे कांग्रेस के विभाजित मतों पर काफी भरोसा है।

अहमदाबाद जिले की 21 विधानसभा सीटों में से एक दानीलिम्डा अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट है और यहां दूसरे चरण में पांच दिसंबर को चुनाव होना है। यह सीट परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई थी और 2012 तथा 2017 में यहां हुए विधानसभा चुनावों में मुख्य विपक्षी दल यहां से जीतता रहा है। अहमदाबाद जिले की 21 सीटों में से 2017 में भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि शेष छह सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया था। दानीलिम्डा सीट पर लगभग 2,65,000 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से लगभग 34 प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदायों के हैं, जबकि 33 प्रतिशत दलित-अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के हैं। बाकी पटेल और क्षत्रिय समुदाय से हैं।

गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता शैलेश परमार 2012 से 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करके इस सीट पर जीत हासिल करते आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के नेता मनीष दोशी ने बताया कि शैलेश परमार निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं, चाहे उनकी जाति, पंथ, धर्म या राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो। निर्वाचन क्षेत्र के लोग उनसे स्नेह करते हैं और उन्हें पसंद करते हैं। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के लिए बहुत कुछ किया है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अनुसार, यहां से पार्टी की जीत की वजह एकमुश्त मिलने वाले अल्पसंख्यक वोट और दलित वोटों का एक बड़ा हिस्सा रहा है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप और असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम के आने से क्षेत्र का चुनावी गणित गड़बड़ा गया है। कांग्रेस को आशंका है कि आप उसके दलित मतों में सेंध लगा सकती है तो एआईएमआईएम अल्पसंख्यक मतों को विभाजित कर सकती है। निलंबित कांग्रेस नेता और पार्षद जमनाबेन वेगड़ा के निर्दलीय चुनाव लड़ने से चुनौती कठिन हो गई है। इस सीट को जीतने की कोशिश के तहत भाजपा यहां और आसपास के इलाकों में व्यापक चुनाव प्रचार कर रही है। इस सीट से भाजपा उम्मीदवार नरेशभाई व्यास ने बताया कि मौजूदा विधायक के खिलाफ काफी नाराजगी है। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उनकी हार पहले से तय है। भाजपा ने 2012 में इस सीट की स्थापना के बाद से कभी भी यहां जीत हासिल नहीं की है, लेकिन हम इस बार मिथक को तोड़ देंगे। यह शर्म की बात है कि आसपास के इलाकों में भाजपा की मजबूत उपस्थिति होने के बावजूद हम यह सीट नहीं जीत सके। यह हमारे लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई है और हम जीतेंगे।

एआईएमआईएम बिगाड़ेगी कांग्रेस का खेल?

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप और असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम के आने से क्षेत्र का चुनावी गणित गड़बड़ गया है। कांग्रेस को आशंका है कि आप उसके दलित मतों में सेंध लगा सकती है तो एआईएमआईएम अल्पसंख्यक मतों को विभाजित कर सकती है। निलंबित कांग्रेस नेता और पार्षद जमनाबेन वेगड़ा के निर्दलीय चुनाव लड़ने से चुनौती कठिन हो गई है। आरक्षित सीट होने के चलते एआईएमआईएम ने यहां से एससी उम्मीदवार कौशिकीबेन परमार को प्रत्याशी बनाया है, जबकि आप सुशासन और इलाके की समस्याओं के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है।

21 में 15 सीटों पर बीजेपी को मिली थी जीत

2017 में अहमदाबाद जिले की 21 सीटों में से बीजेपी ने 15 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि, शेष 6 सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया था। दानीलिम्डा सीट पर लगभग 2,65,000 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से लगभग 34 प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदायों के हैं। वहीं, 33 प्रतिशत दलित-अनुसूचित जाति समुदाय के हैं। बाकी पटेल और क्षत्रिय समुदाय से हैं।

दानीलिम्डा सीट पर कांग्रेस का कब्जा

गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता शैलेश परमार 2012 से 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करके दानीलिम्डा सीट पर जीत हासिल करते आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के नेता मनीष दोशी ने बताया कि शैलेश परमार निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं, चाहे उनकी जाति, पंथ, धर्म या राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो। निर्वाचन क्षेत्र के लोग उनसे स्नेह करते हैं और उन्हें पसंद करते हैं। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के लिए बहुत कुछ किया है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अनुसार, यहां से पार्टी की जीत की वजह एकमुश्त मिलने वाले अल्पसंख्यक वोट और दलित वोटों का एक बड़ा हिस्सा रहा है।

क्या है स्थानीय लोगों की राय

बीजेपी नेताओं को एआईएमआईएम के आने से कांग्रेस के मत विभाजन की उम्मीद है, वहीं स्थानीय लोगों ने अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को प्रकट करने से इनकार कर दिया। लेकिन, मौजूदा कांग्रेस विधायक के प्रदर्शन पर उनकी राय बंटी हुई है। स्थानीय निवासी हबीब कहते हैं कि जब भी हमें जरूरत होगी शैलेश परमार हमारे लिए हैं। इस क्षेत्र में अगर पुलिस उत्पीड़न का कोई मुद्दा है तो वह हमारे लिए हैं।

एमसीडी चुनाव: सभी पार्टियों ने खेला पूर्वांचली उम्मीदवारों पर दाव

पार्टियों ने चुनाव प्रचार के लिए अपने-अपने दिग्गजों को मैदान में प्रचार के लिए उतारा

» राजधानी दिल्ली में 1 करोड़ 46 लाख 73 हजार 847 वोटर

» दिल्ली में पूर्वांचली लोगों की संख्या काफी ज्यादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में 4 दिसंबर को एमसीडी चुनाव के लिए मतदान होगा। उससे पहले हर एक राजनीतिक पार्टी वोटरों को लुभाने की पूरी कोशिश कर रही है और शायद यही वजह है कि सभी पार्टियों ने चुनाव प्रचार के लिए मैदान में अपने दिग्गज उतार दिए हैं। चुनाव आयोग की माने तो राजधानी दिल्ली में 1 करोड़ 46 लाख 73 हजार 847 वोटर हैं। दिल्ली में हर प्रदेश के लोग आकर बस्ते हैं यहां पर लोग रोजगार या पढ़ाई करने आते हैं इसीलिए दिल्ली ही पूरे देश में एक ऐसी जगह है जहां हर जाति और समुदाय के लोग एक साथ मिल जाते हैं

पूर्वांचली वोटर 40 फीसदी से ज्यादा

दिल्ली में पूर्वांचली वोटरों की संख्या 40 लाख से ज्यादा है और शायद यही वजह हैं कि आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और बीजेपी तीनों ही पार्टियों ने निगम चुनाव के चुनाव में पूर्वांचल के लोगों को टिकट दिया है।

यहां ज्यदातर मिली जुली सोच वाले लोग रहते हैं। दिल्ली की कल्पना एक जाति विशेष या समुदाय को लेकर नहीं की जा सकती लेकिन अगर हम पिछले सालों की बात करते हैं तो दिल्ली में पूर्वांचली लोगों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ी हैं इन लोगों ने दिल्ली में होने वाले हर चुनाव में एक निर्णनायक भूमिका निभाई है।

आप का 58 पूर्वांचली उम्मीदवारों पर दांव

आम आदमी पार्टी के एससीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक का कहना है कि पार्टी ने 58 पूर्वांचली उम्मीदवारों को टिकट दिया है। उनका कहना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार पहली ऐसी सरकार है जो छठ पूजा के दौरान 1200 छठ घाट बनाती है, जिससे श्रद्धालु अच्छे से पूजा-अर्चना कर सकें, उन्हें कोई दिक्कत ना हो। वैसे पिछले 15 सालों से बीजेपी एमसीडी पर काबिज हैं लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी से बीजेपी की बराबरी की टक्कर है।

एमसीडी चुनाव को लेकर बीजेपी की रणनीति

दिल्ली बीजेपी पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष कौशल मिश्रा का कहना है कि पार्टी ने निगम चुनाव में लगभग 50 पूर्वांचली उम्मीदवारों को उतारा है। पूर्वांचलियों का बीजेपी को पूरा समर्थन है। यहां पूर्वांचली वोटर बीजेपी के साथ खड़ा है। इसके साथ ही बीजेपी ने निगम चुनाव में बीजेपी ने स्टार प्रचारकों में 40 मंत्री और कई बड़े राजनेता उतारे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गोदी मीडिया का भविष्य

देश में इस दौर में मीडिया को लेकर एक नया नाम शुरू हो गया है और उसका नाम है गोदी मीडिया। आज जनमानस भी इस शब्द को बहुत चलन में लाने लगा है। उसको समझ आने लगा है कि सत्ता की गोद में कौन मीडिया संस्थान बैठा है और कौन संस्थान सत्ता से सवाल पूछने की हिम्मत कर रहा है। लोकतंत्र में कई बार ऐसे मौके आए हैं जब सत्ता संस्थानों ने मीडिया संस्थानों को अपनी मर्जी के मुताबिक चलाना चाहा है और ऐसे में मीडिया के साथ-साथ जनता भी खड़ी हुई है और ऐसी कोशिशों का पुरजोर विरोध किया है। ऐसे में इस दौर में भी एक बार फिर ऐसी मीडिया का विरोध जनमानस में शुरू हो गया है और जनता सार्वजनिक रूप से विरोध करते हुए यह पूछने लगी है कि जन सरोकारों की बाते करते-करते मीडिया आखिर सत्ता की गुलाम क्यों हो गयी।

यह सवाल तब और शुरू हुआ जब हाल ही में अडानी ग्रुप ने एनडीटीवी का अधिग्रहण किया। यह सारी कोशिशें इसलिए हुई क्योंकि एनडीटीवी पर रवीश का शो प्राइम टाईम पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहा था। लोग मान रहे हैं कि जब रवीश को रोका न जा सका तो एनडीटीवी को ही खरीद लिया गया। इस बात से गोदी मीडिया का चेहरा एक बार फिर सामने आ गया। ऐसा लगातार 2014 से हो रहा है। मीडिया बिकता ही जा रहा है, मात्र एक चैनल बचा हुआ था एनडीटीवी जिसने विपक्ष की बात रखी और सच दिखाया, बिना डरे। आज जो एनडीटीवी के साथ हुआ है वह एक पत्रकारिता जगत में शर्म की बात है। मैं अक्सर यह सोचता हूं अगर मैं भी किसी बड़े संस्थान में होता तो इतना खुलकर न बोल पाता। सरकार हमारे साथ या किसी भी पत्रकार के साथ कभी भी कुछ भी कर सकती है। हम सच दिखाना चाहते हैं और बोलना चाहते हैं और हम इस चौथे स्तंभ को जाया नहीं होने देंगे। जो मेनस्ट्रीम मीडिया है जो सिर्फ सत्ता की बोली बोलती हैं जो रवीश कुमार जैसे पत्रकारों से यह नहीं हो पाया। एक समय था जब पत्रकारों को छोटे-बड़े शहरों में भगवान का दर्जा दिया जाता था लेकिन आज यह हालात हो गये है कि जब कोई फील्ड में जाता है तो उसे गोदी मीडिया ही समझा जाता है। मैं आने वाले जेनरेशन से यह बात कहना चाहता हूं कि अगर आप मीडिया की पढ़ाई कर रहे हैं तो निष्पक्ष पत्रकार बन कर देश के लिए काम करे न कि गोदी मीडिया बनकर। याद रखिए सच कभी नहीं झुकता और जो सच का साथ नहीं छोड़ता उसका साथ पूरी कायनात देती है।

“ यह सवाल तब और शुरू हुआ जब हाल ही में अडानी ग्रुप ने एनडी टीवी का अधिग्रहण किया। यह सारी कोशिशें इस लिए हुई क्योंकि एनडीटीवी पर रवीश का शो प्राइम टाईम पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहा था। लोग मान रहे हैं कि जब रवीश को रोका न जा सका तो एनडीटीवी को ही खरीद लिया गया। इस बात से गोदी मीडिया का चेहरा एक बार फिर सामने आ गया। ऐसा लगातार 2014 से हो रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

डिजिटल अर्थव्यवस्था की राह होगी आसान

सतीश सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक दिसंबर से सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) का लेन-देन खुदरा क्षेत्र में करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर दिया। बीते एक नवंबर को सीबीडीसी का लेन-देन थोक क्षेत्र में करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। हालांकि पायलट प्रोजेक्ट के तहत सीमित मात्रा में चुनिंदा कारोबारी, चयनित आम जन, बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां सीबीडीसी से लेन-देन कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष के अंत तक पूरी तरह से सीबीडीसी के जरिये थोक और खुदरा क्षेत्र में लेन-देन करना मुमकिन हो जायेगा।

अभी ऐसा खुदरा क्षेत्र में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में किया जा रहा है, जिसे मुमकिन बनाने में भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मदद कर रहे हैं। कालांतर में चार और बैंक- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा इस प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे। थोक स्तर पर सीबीडीसी के लेन-देन के लिए रिजर्व बैंक ने 10 बैंकों का चुनाव किया था। जनवरी, 2023 तक पटना, लखनऊ, कोच्चि, इंदौर, हैदराबाद, गुवाहाटी, गंगटोक और अहमदाबाद आदि शहरों में भी सीबीडीसी का लेन-देन खुदरा क्षेत्र में किया जाने लगेगा। यूजर डिजिटल वॉलेट या मोबाइल डिवाइस में सीबीडीसी को संग्रहित कर सकेंगे और डिजिटल वॉलेट या मोबाइल के जरिये यूजर किसी व्यक्ति या फिर कारोबारी के साथ लेन-देन कर सकेंगे। अगर किसी कॉरपोरेट या सरकारी एजेंसी को किसी खास व्यक्ति को सीबीडीसी देना है, तो उसे सरकारी या निजी बैंक से संपर्क करना होगा, क्योंकि इसके वितरण की जिम्मेदारी बैंकों को दी गयी है। सीबीडीसी को एक यूजर मोबाइल, लैपटॉप, डेस्कटॉप, टैब के जरिये दूसरे यूजर को अंतरित कर सकता है और बैंकों के जरिये भी। यह देश के लिए गर्व और उपलब्धि का क्षण है, क्योंकि एक तय समय सीमा के अंदर आंशिक रूप से इस संकल्पना को लागू कर दिया गया, जबकि अब भी दुनिया के अनेक केंद्रीय बैंक सीबीडीसी को अमली जामा पहनाने में सफल नहीं हुए हैं।

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में डिजिटल रुपये की संकल्पना को जमीन पर उतारने की घोषणा की थी और वह बहुत जल्द इसे मूर्त रूप देने में कामयाब भी रही। पेपर करेंसी और सीबीडीसी की व्यवस्था समांतर रूप से चलेगी, ताकि नकदी विहीन अर्थव्यवस्था की संकल्पना को

मजबूती मिल सके। इसका इस्तेमाल इंटरनेट के बिना भी करना मुमकिन बनाया गया है, ताकि भारतीय परिवेश में इसके लेन-देन में कोई परेशानी नहीं हो। इसे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) से भी जोड़ने का प्रस्ताव है। पेपर करेंसी की तरह प्रिंटिंग पर कोई खर्च नहीं होगा और न ही यह पुरानी होगी और न ही फटेगी। विदेशों में इसे अंतरित करने की लागत भी कम होगी। विश्व बैंक के अनुसार, दूसरे देश में पेपर करेंसी अंतरित करने की लागत सात प्रतिशत है, जबकि डिजिटल मनी अंतरित करने की लागत पांच प्रतिशत। इससे अरबों डॉलर की बचत हो सकती है। सीबीडीसी क्रिप्टोकरेंसी से अलग है। क्रिप्टोकरेंसी का लेन-देन निजी तौर पर किया जाता है और इसे नियंत्रण करने वाली कोई एजेंसी नहीं है, जबकि सीबीडीसी का नियंत्रण रिजर्व बैंक करेगा। सीबीडीसी के लिए किसी बैंक में खाता खोलने की जरूरत नहीं होगी। इसमें पेपर करेंसी के सारे फीचर होंगे और यूजर्स इसे पेपर करेंसी से बदल भी सकेंगे। एक प्रकार से इसे डिजिटल नकदी कह सकते हैं। सीबीडीसी ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करेगा और इस प्रणाली में बिचौलिये की कोई भूमिका नहीं होगी। सीबीडीसी प्रणाली को अमली जामा पहनाने में बैंकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी, पर इससे बैंकों पर और भी कार्यभार बढ़ेगा। हालांकि बैंक के कर्मचारियों की संख्या में फिलहाल इजाफा करने का कोई प्रस्ताव नहीं है, जिससे बैंकों को इस नयी प्रणाली को सुचारु रूप से संचालित कराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। भारत में वित्तीय साक्षरता की स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है।

दूसरी तरफ, भले ही भारत डिजिटलीकरण और डिजिटल लेन-देन के मामले में विश्व में एक प्रमुख देश बन कर उभरा है, लेकिन डिजिटलीकरण के साथ-साथ देश में डिजिटल या ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। देश में अगर कोई डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो बहुत कम मामलों में धोखाधड़ी की राशि की वसूली हो पाती है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है कि सीबीडीसी या अन्य डिजिटल सुविधाओं को लागू करने के साथ-साथ वित्तीय साक्षरता के अभियान को मुहिम की तरह पूरे देश में लगातार चलाया जाए। दुर्घटना से बचने का सबसे आसान तरीका सावधानी बरतना ही है।

जलवायु न्याय के लिए एकजुटता

भूपेंद्र यादव

कुछ दिन पहले पक्षों का 27वां सम्मेलन (कॉप27) संपन्न समाप्त हुआ तथा कई चुनौतियों और विचारों में भिन्नता के बावजूद सदस्य देशों ने जटिल मुद्दों के समाधान के प्रयास किये। कॉप27 को कार्यान्वयन के लिए कॉप का ब्रांड नाम देने के साथ महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये, जिनमें प्रमुख हैं- हानि और क्षति वित्तपोषण पर समझौता, अनुकूलन और शमन कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, जो उत्सर्जन में कमी करता है और प्रभावी कार्यान्वयन को गति प्रदान करता है तथा जो वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर तक सीमित रखने के महत्वाकांक्षी पेरिस समझौते के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए वैश्विक समुदाय को प्रेरित करता है। भारत की दृष्टि से कॉप27 के परिणाम अहम रहे हैं, क्योंकि एक देश के रूप में भारत के या विकासशील देशों की सामूहिक आवाज के रूप में भारत द्वारा प्रस्तावित चिंताओं, विचारों और सुझावों को उचित महत्व दिया गया ह।

विभिन्न राष्ट्रीय परिस्थितियों के आलोक में एवं सतत विकास और गरीबी उन्मूलन के प्रयासों के संदर्भ में सामान्य, पर पृथक जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) को दर्शाते हुए, न्यायपूर्ण और सर्वोत्तम उपलब्ध वैज्ञानिक ज्ञान के आधार पर, इस महत्वपूर्ण दशक में त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। भारत सीबीडीआर-आरसी दृष्टिकोण अपनाने का मुखर समर्थक रहा है, ताकि जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितताओं से पृथ्वी को बचाने की इस संयुक्त लड़ाई में हम ऐतिहासिक प्रदूषण फैलाने वाले देशों और तकनीकी व वित्तीय अंतर के प्रति सचेत रहें तथा हरित विश्व निर्माण के लिए विकासशील देशों को शामिल करने की आवश्यकता सुनिश्चित हो सके। कार्यान्वयन योजना ने पार्टियों से आग्रह किया, जिन्होंने अब तक नये या अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों की जानकारी नहीं दी है, वे जल्द इसे पूरा करें। भारत न केवल उन 29 देशों में शामिल है, जिन्होंने कॉप26 के बाद अपने बढ़े हुए एनडीसी प्रस्तुत किये हैं, बल्कि उन 60 से कम देशों की उस सूची में भी मौजूद है, जिन्होंने ग्लासगो में अपनी शुद्ध शून्य घोषणा के एक वर्ष के भीतर अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीतियां प्रस्तुत की हैं। ये कदम नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। देशों को निम्न-कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ने के लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए कॉप27 कार्यान्वयन योजना राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप सबसे गरीब और कमजोर देशों को लक्ष्य-आधारित समर्थन देने और न्यायपूर्ण परिवर्तन की दिशा में समर्थन की आवश्यकता की पहचान करने का आह्वान करती है। भारत ने यह रेखांकित किया कि अधिकतर विकासशील देशों के लिए न्यायपूर्ण बदलाव की तुलना सिर्फ कार्बनीकरण को कम करने से नहीं की जा सकती है, लेकिन कम कार्बन उत्सर्जन के साथ विकासशील देशों को अपनी पसंद के ऊर्जा मिश्रण तथा एसडीजी हासिल करने में स्वतंत्रता की आवश्यकता है। कॉप27 योजना ने गंभीर चिंता के साथ, जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव से मुकाबले के लिए अनुकूलन के मौजूदा स्तरों और उन स्तरों, जिनकी आवश्यकता है, के बीच मौजूदा अंतर को जलवायु परिवर्तन छठी आकलन रिपोर्ट पर अंतर-सरकारी पैनल के संदर्भ में कार्य समूह-दो के योगदान के निष्कर्षों के अनुरूप बताया।

इसने पार्टियों से क्षमता बढ़ाने, सहनीयता को मजबूत करने और जलवायु परिवर्तन के प्रति खतरे को कम करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। भारत ने लंबे समय से अनुकूलन को उचित महत्व देने और विकासशील देशों की जरूरतों के पैमाने के अनुरूप संसाधनों के पैमाने पर चर्चा करने की तत्काल आवश्यकता पर अपनी लड़ाई को जारी रखा है। यह योजना जोर देती है कि उचित और न्यायसंगत बदलाव के उपायों में ऊर्जा, सामाजिक-आर्थिक, कार्यबल और अन्य आयाम शामिल हैं, जिनमें से सामाजिक सुरक्षा समेत सभी को राष्ट्रीय स्तर पर परिभाषित विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होना चाहिए, ताकि परिवर्तन से जुड़े संभावित प्रभावों को कम किया जा सके। इसमें सामाजिक एकजुटता तथा लागू उपायों के प्रभावों को कम करने से संबंधित उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है।

योजना ने सार्थक शमन कार्रवाई और कार्यान्वयन पर पारदर्शिता के संदर्भ में विकसित देशों का 2020 तक प्रतिवर्ष संयुक्त रूप से 100 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य पूरा नहीं होने पर चिंता व्यक्त की। भारत के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम कार्यान्वयन योजना के प्रस्तावना निर्णय में जलवायु परिवर्तन के समाधान के प्रयासों में सतत जीवनशैली अपनाना तथा उपभोग और उत्पादन के स्थायी प्रारूप की दिशा में बदलाव को शामिल किया जाना है। यह कदम 'मिशन लाइफ' के अनुरूप है, जो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 अक्टूबर को शुरू की गयी 'पर्यावरण के लिए जीवनशैली' को बढ़ावा देता है। कॉप27 पेरिस समझौते के तहत जलवायु वित्त पर सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए भी मंच तैयार करता है। इसने सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य पर विमर्श में प्रगति की आवश्यकता को स्वीकार किया, जो मात्रा, गुणवत्ता, पहुंच और धन के स्रोतों समेत विकासशील देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं जैसे विषयों पर भी विचार करेगा।

गेमिंग इंडस्ट्री बढ़ती संभावनाएं

वर्तमान समय में भारतीय गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से अधिक पूर्णकालिक कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें 30 प्रतिशत प्रोगामर एवं डेवलपर हैं। ट्टीमलीज डिजिटलज् की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में यह क्षेत्र 20 से 30 प्रतिशत की दर से बढ़ने वाला है। इससे प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं, वर्ष 2026 तक नौकरियों की संख्या में ढाई गुना वृद्धि का अनुमान भी जताया गया है।

क्या करते हैं गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर वह होता है जो गेम का प्लाट और स्टोरीलाइन तैयार करता है। गेम कितने लेवल का होगा, कैरेक्टर कैसे होंगे, उनका आपस का संवाद कैसा होगा, इस तरह की तमाम बारीकियों का ध्यान रखकर वह कोई गेम डिजाइन करता है। उनके ऊपर गेम को मनोरंजक बनाने की जिम्मेदारी भी होती है। वे गेम राइटिंग और डायग्राम तैयार करने के साथ ही गेम के अलग-अलग वर्जन पर काम करते हैं। गेम एप्लीकेशन बनाते हैं। एक लीड डिजाइनर के ऊपर पूरे डिजाइनिंग विजन, कांसेप्ट, प्रेजेंटेशन, इंप्लिमेंटेशन की जिम्मेदारी होती है। इसके लिए तकनीक की जानकारी के साथ-साथ कलात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। गेम बनाने के लिए डिजाइनर को डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स एवं अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर कार्य करना होता है। गेम डिजाइनर बनने के लिए साइंस स्ट्रीम के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। इसके लिए कंप्यूटर और साफ्टवेयर की जानकारी जरूरी है। साथ ही अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिए। जानकारों के अनुसार, तेजी से आगे बढ़ती गेमिंग इंडस्ट्री का आधार युवाओं का इसके प्रति जुनून एवं गहरी दिलचस्पी को माना जा रहा है।

छोटे शहरों में भी बढ़े अवसर

गेमिंग में युवाओं की बढ़ती दिलचस्पी बताती है कि किस तरह इस सेक्टर में रोजगार की संभावनाएं दिनों दिन बढ़ रही हैं। गेमिंग पब्लिशिंग कंपनी, एनिमेशन एवं वीडियो कंपनियों के अलावा ईस्पोर्ट्स टीम एवं कंटेंट प्लेटफार्म्स में काम के नये अवसर सृजित होने से युवा गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, आडियो इंजीनियर, साफ्टवेयर इंजीनियर एवं प्रोड्यूसर के रूप में करियर की शुरुआत कर सकते हैं। रूटर जैसे अन्य कंटेंट प्लेटफार्म्स में बैक एंड एवं फंट एंड इंजीनियर्स, प्रोडक्ट एवं डाटा साइंस स्पेशलिस्ट्स की मांग बढ़ी है। इसके अलावा, गेमिंग के क्षेत्र में ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, मैनेजर्स, कास्टर्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

कहां-कहां हैं अवसर

गेमिंग इंडस्ट्री जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विकल्पों की कमी नहीं है। गेम प्रकाशक, गेम उत्पादन कंपनियों के अलावा स्टूडियो, शिक्षण संस्थानों, विपणन और विज्ञापन एजेंसियों, मोबाइल फोन कंपनियों, डिजाइन कंपनियों में काफी अवसर हैं। आप डिजाइनर एवं डेवलपर के अलावा एनिमेटर, आडियो प्रोग्रामर, साउंड इंजीनियर, गेम टेस्टिंग इंजीनियर्स, क्वालिटी एश्योरेंस लीड, वर्चुअल रिएलिटी डिजाइनर, वीएफएक्स आर्टिस्ट, वेब एनालिस्ट के तौर पर भी कार्य कर सकते हैं। एचपी इंडिया गेमिंग लैंडस्केप स्टडी 2022 के अनुसार, आज 56 प्रतिशत लड़कियां गेमिंग सेक्टर में करियर बनाना चाहती हैं। गेमिंग से अच्छी आमदनी होने के साथ-साथ मल्टीपल करियर विकल्प उपलब्ध होने के कारण युवाओं की इस ओर दिलचस्पी बढ़ रही है। वे गेमिंग को फुल-टाइम या पार्ट-टाइम करियर के तौर पर आजमा रहे हैं।

बुनियादी कौशल

गेमिंग इंडस्ट्री में प्रवेश करने के लिए युवाओं के पास शुरुआती स्तर पर अनेक मौके हैं, लेकिन इसके लिए कुछ बुनियादी कौशल की आवश्यकता है। उन्हें स्टोरीटेलिंग, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट, कैरेक्टर डिजाइन, विजुअल इफेक्ट आदि के बारे में पता होना चाहिए। गेम डिजाइनिंग के इच्छुक लोगों में इस बात की स्पष्टता होनी चाहिए कि वे किस तरह का गेम क्रिएट करना चाहते हैं, मसलन- स्पोर्ट्स गेम्स, पजल्स, सिमुलेशंस या कुछ और। वीडियो गेम्स भी कई प्रकार के होते हैं।

हंसना मना है

पत्नी: मुझे एक कुत्ता खरीदना है। पति: तुम्हें कुत्ता ही क्यों खरीदना है? पत्नी: ताकि तुम्हारे ऑफिस जाने के बाद कोई तो मेरे आगे पीछे दुम हिलाने वाला हो। एक दिन चिंटू पंडित जी के पास गया। पंडित: तुम्हारी कुंडली में धन ही धन लिखा है। चिंटू: वो तो सब ठीक है पंडित जी लेकिन ये तो बताइए इस धन को बैंक में कैसे ट्रांसफर करुं। पंडित बेहोश!

एक बार पति-पत्नी घूमने जा रहे थे... रास्ते में गधा मिला, पत्नी को मजाक सूझी... पत्नी: आपके रिश्तेदार हैं, नमस्ते करो पति भी कम नहीं था बोला, ससुर जी नमस्ते

गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद लड़का रोता हुआ मंदिर में जाकर भगवान से बोला... बिछड़ा यार मिला दे, ओ रब्बा... भगवान बोले- बगल में हनुमान मंदिर है, वहीं जाकर प्राथमिकी दर्ज कराओ...माता सीता को उन्होंने ही ढूंढा था...

बिना टिकट यात्रा करने के जुर्म में बंगाली बाबा को टिकट चेकर ने पकड़ लिया...और फिर... टिकट चेकर- टिकट दिखाएं, बाबा? बाबा: नहीं है। टिकट चेकर: जाना किधर है? बाबा: जहां मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ है। टिकट चेकर: चलिए, अब मैं आपको पहुंचा देता हूं बाबा- कहां? टिकट चेकर- जहां, बांसुरीवाले का जन्म हुआ है।

कहानी | घर का भेद/दो सांप

एक नगर में देवशक्ति नाम का राजा रहता था। उसके पुत्र के पेट में एक साँप चला गया था। उस साँप ने वहीं अपना बिल बना लिया था। पेट में बैठे साँप के कारण उसके शरीर का प्रति-दिन क्षय होता जा रहा था। बहुत उपचार करने के बाद भी जब स्वास्थ्य में कोई सुधार न हुआ तो अत्यन्त निराश होकर राजपुत्र अपने राज्य से बहुत दूर दूसरे प्रदेश में चला गया। और वहाँ सामान्य भिखारी की तरह मन्दिर में रहने लगा। उस प्रदेश के राजा बलि की दो नौजवान लड़कियाँ थी। वह दोनों प्रति-दिन सुबह अपने पिता को प्रणाम करने आती थीं। उनमें से एक राजा को नमस्कार करती हुई कहती थी-महाराज! जय हो। आप की कृपा से ही संसार के सब सुख हैं। दूसरी कहती थी-महाराज! ईश्वर आप के कर्मों का फल दे। दूसरी के वचन को सुनकर महाराज क्रोधित हो जाता था। एक दिन इसी क्रोधावेश में उसने मन्त्रि को बुलाकर आज्ञा दी-मन्त्रि ! इस कटु बोलने वाली लड़की को किसी गरीब परदेसी के हाथों में दे दो, जिससे यह अपने कर्मों का फल स्वयं चखे। मन्त्रियों ने राजाज्ञा से उस लड़की का विवाह मन्दिर में सामान्य भिखारी की तरह ठहरे परदेसी राजपुत्र के साथ कर दिया। राजकुमारी ने उसे ही अपना पति मानकर सेवा की। दोनों ने उस देश को छोड़ दिया। थोड़ी दूर जाने पर वे एक तालाब के किनारे ठहर। वहाँ राजपुत्र को छोड़कर उसकी पत्नी पास के गाँव से घी-तेल-अन्न आदि सौदा लेने गई। सौदा लेकर जब वह वापिस आ रही थी, तब उसने देखा कि उसका पति तालाब से कुछ दूरी पर एक साँप के बिल के पास सो रहा है। उसके मुख से एक फनियल साँप बाहर निकलकर हवा खा रहा था। एक दूसरा साँप भी अपने बिल से निकल कर फन फैलाये वहीं बैठा था। दोनों में बातचीत हो रही थी। बिल वाला साँप पेट वाले साँप से कह रहा था-दुष्ट! तू इतने सर्वांग सुन्दर राजकुमार का जीवन क्यों नष्ट कर रहा है? पेट वाला साँप बोला-तू भी तो इस बिल में पड़े स्वर्णकलश को दूषित कर रहा है। बिल वाला साँप बोला-तो क्या तू समझता है कि तुझे पेट से निकालने की दवा किसी को भी मालूम नहीं। कोई भी व्यक्ति राजकुमार को उकाली हुई कांजी की राई पिलाकर तुझे मार सकता है। पेट वाला सांप बोला, तुझे भी तो गर्म तेल डालकर कोई भी मार सकता है। इस तरह दोनों ने एक दूसरे का भेद खोल दिया। राजकन्या ने दोनों की बातें सुन ली थीं । उसने उनकी बताई विधियों से ही दोनों का नाश कर दिया। उसका पति भी नीरोग होगया; और बिल में से स्वर्ण-भरा कलश पाकर गरीबी भी दूर होगई । तब, दोनों अपने देश को चल दिये। राजपुत्र के माता-पिता दोनों ने उनका स्वागत किया।

12 अंतर खोजें

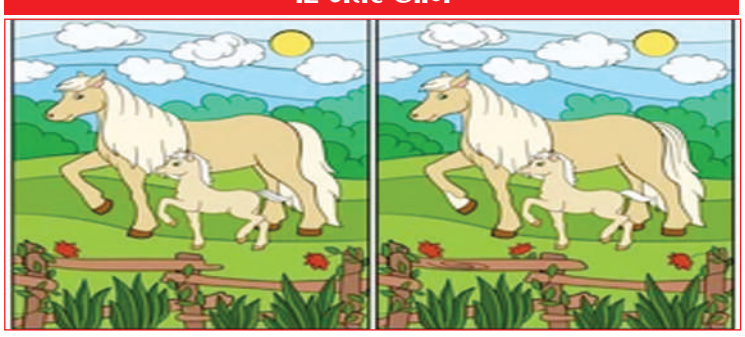

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। समूहों में शिरकत दिलचस्प, लेकिन खर्चीली रहेगी।

वृषभ आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप अपनी बात सही संग से रखने में सफल होंगे। इस राशि के शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन मिथुन राशि वालों की कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। आर्थिक मोर्चे पर दिन कुछ खास नहीं है।

कर्क मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आप खुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे जो आपको आर्थिक फायदा पहुँचाएंगे।

सिंह आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा । आज किसी से पैसों का लेन-देन करने से बचे रहें । कोर्ट-कचहरी के कुछ काम अधूरे रह सकते हैं ।

कन्या आज आप मानसिक तौर पर एक्टिव रहेंगे। कुछ नए मौके भी आपके सामने आ सकते हैं। आज आप अपनी अच्छी वाणी से सबका दिल जीत लेंगे।

तुला आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएँ बीच में अटक सकती हैं। आपका मजाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इजाफा करेगा।

वृश्चिक आज आपका दिन शानदार रहेगा। माता-पिता का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

धनु आज अचानक आपको किसी छोटी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। सिंगल लोग किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो थोड़ा रुके।

मकर कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा।

कुम्भ आज का दिन आपके जीवन में सुनहरे पल लेकर आया है। किसी महत्वपूर्ण काम के लिये जीवनसाथी की राय कारगर साबित होगी।

मीन आज आप जो भी राय देंगे आपके वरिष्ठ उस पर जरूर गौर करेंगे। मित्रों के साथ भ्रमण मनोरंजन की योजना बना सकते हैं। संतुष्टि आपके कार्य में बनी रह सकती है।

मेहंदी फंक्शन में हंसिका ने सोहेल संग जमकर किया डांस

असिका मोटवानी पिछले काफी दिनों से अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में बनी हैं। हाल ही में वह परिवार के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर जयपुर के लिए रवाना होते हुए स्पॉट हुई थीं। 2 दिसंबर से उनकी शादी का सेलिब्रेशन शुरू हो गया है, इसके साथ ही उनके मेहंदी सेरेमनी का वीडियो भी सामने आ गया है, जिसमें हंसिका मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं।

हंसिका मोटवानी के मेहंदी सेरेमनी का वीडियो उनके फैन पेज ने शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस हाथ- पैर में मेहंदी लगाए सोफे पर बैठी हुई नजर आ रही हैं और उनके बगल में मंगेतर सोहेल कथुरिया भी बैठे हैं। दोनों मेहंदी फंक्शन में गाने की बीट पर डांस कर रहे हैं।

सेरेमनी के लिए एक्ट्रेस ने रेड और व्हाइट कलर का कुर्ता सेट चुना और बेहद प्यारी लग रही हैं। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथुरिया 4 दिसंबर को शादी करेंगे। दोनों जयपुर के मुन्दोता फोर्ट और पैलेस में डेस्टिनेशन वेडिंग करने वाले हैं। शादी के फंक्शन 2 दिसंबर से शुरू हो गए है। पहले दिन मेहंदी फंक्शन होगा और रात में सूफी संगीत का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 3 दिसंबर को संगीत सेरेमनी होगी।

अपनी कॉमेडी से आपको गुदगुदाने आ गया रणवीर सिंह का सर्कस

कॉमेडी फिल्मों के मास्टर डायरेक्टर रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सर्कस का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। सर्कस फिल्म में रणवीर सिंह पहली बार डबल रोल करते नजर आ रहे हैं। उनके अलावा एक्टर वरुण शर्मा भी डबल रोल में हैं। वहीं और दीपिका पादुकोण और अजय देवगन भी गेस्ट अपीरियंस में दिखाई देंगे। पूरे 3.47 मिनट के इस ट्रेलर में सिर्फ रणवीर सिंह के किरदार पर फोकस नहीं है बल्कि फिल्म के अन्य कलाकार जैसे- वरुण शर्मा, जैकलीन फर्नांडीज, पूजा हेगड़े, जॉनी लीवर, सिद्धार्थ जाधव, संजय मिश्रा, बृजेश हीर आदि कलाकारों को भी दिखाया गया है। ट्रेलर देखकर ये कहा जा सकता है कि रोहित शेट्टी ने फिल्म के सभी अलग-अलग पहलुओं के साथ न्याय किया है। बता दें कि हालिया रिलीज अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 ने बॉक्स आफिस पर तहलका मचा रखा है। फिल्म की सक्सेस ने यह साबित कर दिया है कि, अब बॉलीवुड पर लोगों का विश्वास फिर से लौट रहा है। वहीं इस विश्वास को मजबूत बनाने का दावा करती है रणवीर सिंह स्टारर सर्कस। फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस साल के आखिरी में रणवीर सिंह की ये फिल्म हाई नोट पर एंड करेगी। साथ ही डबल रोल का एलिमेंट दर्शकों को थिएटर तक खींच ले जाने में कामयाब होगा। गौरतलब है कि क्रिसमस के मौके पर 23 दिसंबर को रोहित शेट्टी थिएटरों में सर्कस का मेला लगाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग बॉस में हारे हुए लोग ही जाते हैं : अशनीर ग्रोवर

अशनीर ग्रोवर जिन्हें सभी शार्क टैंक के सीजन 1 के जज के रूप में जानते हैं। अशनीर हमेशा से ही अपने बयानों और अपने कड़े रुख की वजह से पॉपुलर रहे हैं। ऐसे में शार्क टैंक में न रहने पर उनसे बिग बॉस में एंट्री को लेकर सवाल किया गया। ऐसे में अशनीर ग्रोवर ने बताया कि क्यों वो कभी उस शो में नहीं दिखाई देंगे। एक रेडियो में इंटरव्यू के दौरान अशनीर ग्रोवर ने बताया कि वो कभी भी बिग बॉस में नहीं दिखाई देंगे। उस शो में सिर्फ हारे हुए लोग ही जाते हैं। ऐसे में अशनीर का कहना है कि शो अब बासी हो गया है। ऐसे में ये भी पता चला कि मेकर्स ने अशनीर को शो के लिए अप्रोच किया था लेकिन उन्होंने मना कर दिया। जब अशनीर से शार्क टैंक को लेकर सवाल किया गया तो कहते हैं कि अफोर्ड सिर्फ पैसे से नहीं होता है औकात से भी होता है। जहां पहले सीजन में उनके मीम्स काफी वायरल हुए वहीं दूसरे सीजन में वो कहीं भी दिखाई नहीं दिए। जहां अब बिग बॉस में भी कई नए बदलाव देखने को मिले हैं। जहां पहले ये शो रात साढ़े 9 बजे शुरू होता था वहीं अब रात 9 बजे छोटे पर्दे पर आएगा।

ऐसे में अशनीर ग्रोवर ने ये भी कहा कि अगर उन्हें शो के होस्ट सलमान खान से ज्यादा पैसे दिए जाएं तो वो शो करने के बारे में सोच सकते हैं। बहरहाल शार्क टैंक के सीजन 2 में अनुपम मित्तल, विनिता सिंह और अमित जैन भी होंगे। देखना ये होगा कि क्या ये शो पहले शो की तरह टीआरपी लिस्ट में टॉप कर पाएगा।

जब अचानक मौत का डांस करने लगे लोग, चली गई थी सैंकड़ों लोगों की जान

पिछले कुछ दिनों में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें डांस करते हुए लोगों को अचानक हार्ट अटैक आया और चंद सेकेंड में ही उनकी मौत हो गई। लेकिन इतिहास में एक ऐसी घटना भी घटी थी जब डांस करते हुए सैंकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। यह बहुत ही रहस्यमयी घटना थी, जिसका राज आज तक नहीं खुला है। 500 सालों से यह घटना रहस्य ही बनी हुई है। इस घटना में डांस करते करते कई लोगों की मौत हो गई थी। आप सोच रहे होंगे कि डांस करते हुए कैसे इतने लोगों की मौत हो सकती है लेकिन ये बात बिल्कुल सही है ये लोग डांग करते करते ही मर गए। यह विचित्र घटना साल 1518 में फ्रांस में घटी थी। यहां एक ऐसी बीमारी फैल गई थी, जिसके बारे में लोग जानकर हैरान रह जाते हैं। आज से करीब 500 साल पहले आई डांस की महामारी ने फ्रांस में कई लोगों को अपना शिकार बनाया था। बताया जाता है कि इस बीमारी की वजह से करीब 400 लोगों की मौत हो गई थी। वैज्ञानिकों ने इसे डांसिंग प्लेग का नाम दिया था साल 1518 के जुलाई के महीने में एक युवती अचानक डांस करने लगी और वह डांस करते-करते अपना होश खो बैठी। इस युवती का नाम था फ्राउ ट्रॉफी। बताया जाता है कि फ्राउ ट्रॉफी नाचने में इतनी मस्त हो गई कि वह नाचते-नाचते घर के बाहर गली में आ गई। फ्राउ ट्रॉफी को इस तरह से गली में डांस करते देख लोग हैरान हो गए। इसके बाद लड़की के परिजन वहां पहुंचे। फ्राउ ट्रॉफी को समझाने की कोशिश करने बजाय परिजन भी उसके साथ डांस करने लगे। उसके बाद वहां लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। बताया जाता है कि उनके साथ और भी कई लोग डांस करने लगे। अचानक डांस-डांस करते लोग मरने लगे और 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद फ्रांस में हड़कंप मच गया और लोग डर के साए में रहने लगे। इसके बाद फ्रांस के कई इलाकों में लोग डांस करने लगे। लोगों के डांस करने का सिलसिला थम नहीं रहा था। इसके बाद पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस रहस्यमयी घटना को वैज्ञानिकों ने डांसिंग प्लेग नाम दिया। हालांकि आज भी कई लोग इस घटना को कोई कल्पना मानते हैं और कहते हैं कि आखिर डांस करते-करते कोई कैसे मर सकता है।

अजब-गजब | इस आश्चर्य को जानकर रह जाएंगे दंग

एक गधे की वजह से हुई थी 2000 साल पुरानी इस रहस्यमयी दुनिया की खोज

पूरी दुनिया अनगिनत रहस्यों के पटी पड़ी है. इनमें से कुछ रहस्यों का पता तो इंसानों को कुछ ऐसे चला जिसके बारे में हम सोच भी नहीं सकते हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही रहस्यमयी दुनिया के बारे में बताने जा रहे हैं जिसका पता एक गधे की वजह से चला था। ये बात भले ही आपको हैरान कर दे लेकिन कहा ऐसा ही जाता है कि 'कोम एल शोकाफा' के रहस्यों का पता एक गधे की वजह से ही पता चला था। दरअसल, मिस्त्र के एलेक्टेंड्रा में साल 1900 में एक घटना हुई थी। वहां के निवासियों के मुताबिक।, एक दिन रास्ते में जाते हुए एक गधा अचानक एक गड्ढे में गिर गया। जब गधे के मालिक ने गधे को गड्ढे से बाहर निकालने के लिए खोदाई शुरु की तो उसे अचानक से एक बड़ा से छेद नजर आया।

कहा जाता है कि जब गधे के मालिक ने इस छेद को देखा तो वह घबरा गया, लेकिन उसने छेद के अंदर हिम्मत कर झांकर देखा।

उसने जो नजारा देखा उसे देखकर उसके होश उड़ गए। क्योंकि उसे अंदर एक दूसरी दुनिया नजर आई। दरअसल इस गड्ढे के अंदर एक विशाल मकबरा था, जिसका नाम कोम एल शोकाफा था। एक सदी में खो चुके इस मकबरे की खोज एक सामान्य गधे के मालिक ने की। इसके बाद जब पुरातत्वविदों को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने इसका परीक्षण शुरू किया। जिसमें पता चला कि यह मकबरा दूसरी शताब्दी के दौरान बनाया गया था, जो ग्रीको-रोमन दौर का सबसे ब?ा कब्रिस्तान रहा था।

पुरातत्वविदों के मुताबिक, पहले यहां सिर्फ एक ही परिवार के लोगों के शवों को दफनाया जाता था, लेकिन बाद में इस परंपरा में बदलाव के चलते दूसरे लोगों के भी शवों को दफनाया जाने लगे। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस जगह पर दफनाए गए कई शव आज भी सुरक्षित हालत में है। इस मकबरे का पता गधे की वजह से चला इसकी पुष्टि तो नहीं हुई लेकिन स्थानीय लोग इसके बारे में आज भी बात करते हैं। लेकिन रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि पुरातत्व विभाग को मॉन्सिएर एस-सईद एली गिबराह नाम के एक शख्स ने इसके बारे में अधिकारीयों को सूचना दी थी। इस व्यक्ति ने संग्रहालय के अधिकारीयों को बताया था कि वह क्षेत्र में खुदाई और पत्थर इकट्ठा करने का काम कर रहा था। इस दौरान उसे एक गड्ढा मिला था. जिसमें उसे कुछ रहस्यमयी चीजें नजर आई थीं।

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सड़क हादसा

कानपुर-लखनऊ हाइवे पर टकराए चार वाहन, तीन चालकों की जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर अजगैन क्षेत्र के चमरौली के पास एक बार फिर लापरवाही से भीषण सड़क हादसा हुआ। अचानक एक ट्रक चालक के ब्रेक लगाने से पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे तीन वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी आग लगने से गिट्टी लदे डंपर में दो लोग जिंदा जल गए, वहीं जान बचाने के चक्कर में नीचे कूदने में एक युवक की मौत हो गई।

आग की लपटों में घिरे लोगों की चीख-पुकार सुनने के बाद भी कोई उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। धूं-धूंकर जल रहे वाहनों को देख यातायात ठहर गया। हादसे के आधा घंटे बाद पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। जाम लगने पर उन्नाव दही चौकी मोड़ से पुरवा की ओर वाहनों का रूट डायवर्ट कर दिया गया। जाम खुलवाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर काफी गुस्सा दिखा। ये हादसा शनिवार सुबह करीब सात बजे हुआ। कानपुर से लखनऊ की ओर जाने वाली सड़क पर चमरौली गांव के सामने डिवाइडर के पास एक ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार तभी तेज रफ्तार मौरंग लादकर कानपुर से लखनऊ जा रहा एक डंपर उससे टकरा गया।

इसके बाद पीछे से आ रहा दूसरा डंपर व एक अन्य ट्रक टकरा गए। सबसे पीछे टकराया ट्रक डिवाइडर पर चढ़कर दूसरी ओर चला गया। दोनों डंपर के आपस में टकराने से डंपर में आग लग गई।

डंपर की बॉडी को फाड़कर शवों को निकाला गया बाहर

एक डंपर में फंसे दो लोगों को भागने का भी समय नहीं मिला। दोनों जान बचाने के लिए चीखते रहे और उसी में जिंदा जल गए। वहीं दूसरे डंपर का चालक जान बचाने में नीचे कूदा। चर्चा है कि किसी वाहन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। 20 मिनट बाद पहुंची पुलिस ने दमकल को जानकारी दी। आधा घंटा बाद पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। क्रेन की मदद से डंपर की बाडी को फाड़कर शवों को निकालने का प्रयास किया गया। शव चालक व क्लीनर के होने की आशंका है। सीओ पंकज सिंह ने बताया कि ट्रक नंबर के आधार पर दिवंगतों की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार टकराए वाहनों की स्पीड करीब 70 से 80 किमी प्रतिघंटा थी। रफ्तार अधिक होने से वाहनों के टकराने से आग लग गई।

शिक्षित लोग ही बेहतर निर्णय नहीं लेते : सीजेआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की कुलीन समझ के ऐसे हर प्रारूप को खारिज किया जाना चाहिए कि शिक्षित लोग ही बेहतर निर्णय लेने वाले होते हैं।

आठवें डॉ. एलएम सिंघवी मेमोरियल लेक्चर में जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की अवधारणा सहभागी लोकतंत्र और व्यक्तियों के विचार से जुड़ी हुई है जिन्हें समाज ने अशिक्षित होने के नाते तिरस्कृत किया है, लेकिन उन्होंने जबर्दस्त राजनीतिक कौशल और स्थानीय समस्याओं के प्रति जागरूकता दिखाई है, जिसे शिक्षित भी नहीं समझ सकते। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की शुरुआत ऐसे समय में एक क्रांतिकारी काम था जब परिपक्व पश्चिमी लोकतंत्रों में ऐसा अधिकार महिलाओं, अश्वेत लोगों और श्रमिक वर्ग को दिया गया था।

सीएम के चन्द्रशेखर राव की बेटी कविता को सीबीआई ने किया तलब

» छह दिसंबर को होगी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को छह दिसंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। कविता तेलंगाना राष्ट्र समिति की विधान परिषद सदस्य भी हैं। सीबीआई ने कविता को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-160 के तहत नोटिस जारी किया है और छह दिसंबर को सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए अपनी सुविधा के अनुसार उपयुक्त स्थान के बारे में बताने को कहा है।

सीबीआई द्वारा जारी नोटिस का जवाब देते हुए कविता ने एक बयान में कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया है कि वे उनसे उनके हैदराबाद स्थित आवास पर मिल सकते हैं। कविता को भेजे नोटिस में

सीबीआई ने कहा, जांच के दौरान कुछ तथ्य सामने आए हैं, जिनसे आप वाकिफ हो सकती हैं। इसलिए जांच के हित में ऐसे तथ्यों को लेकर आपसे पूछताछ जरूरी है।' एजेंसी ने कहा है कि इस मामले में आपसे अनुरोध है कि दिनांक 6-12-2022 को सुबह 11 बजे अपनी सुविधानुसार पूछताछ के स्थान के बारे में सूचित करें। मालूम हो कि घोटाले में कथित रूप से रिश्वत लेने के मामले में दिल्ली की एक अदालत में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर रिमांड रिपोर्ट में कविता का नाम आने के बाद उन्होंने कहा था कि वह किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं।

दो को मारी गोली, एक की मौत, साथी की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। कोर्ट से अपने दोस्त को लेकर घर लौटते समय अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों को गोली मार दी। यह वारदात शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के बकुची नेवादा पुलिया पर शुक्रवार की रात में अंजाम दिया गया। इसमें एक की मौत हो गई तो साथी की हालत गंभीर बनी हुई है।

सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी हुई है। सबरहद रसूलपूर गांव निवासी हरिलाल(55) पुत्र छब्बूलाल जौनपुर न्यायालय में चल रहे मुकदमें से अपने गांव के साथी मोहम्मद हासिम(22) के साथ घर लौट रहे थे। जब वह शाहगंज से बकुची नेवादा के बीच स्थित पुलिया के समीप पहुंचे तभी अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया।

नगर निगम की छत से व्यापारी ने लगाई छलांग, दोनों पैर टूटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को नगर निगम की कार्रवाई से तंग होकर एक दुकानदार ने जोन 5 कार्यालय की छत से छलांग लगा दी है। पीड़ित संतराम विश्वकर्मा ने नगर निगम के जोनल अधिकारी पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। फिलहाल पीड़ित संतराम का लोकबन्धु अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। शुक्रवार सुबह नगर निगम के अधिकारियों ने संतराम की दुकान सीज कर दी थी।

पीड़ित संतराम विश्वकर्मा का आरोप है कि जोनल अधिकारी ने कहा था कि अगर पैसे नहीं दे सकते हो तो कूद जाओ, हम तुम्हारी बिल्डिंग नीलाम करके ले लेंगे। पीड़ित ने कहा मैंने पहले भी एप्लिकेशन दी है कि हमें परेशान ना किया जाए वरना आग लगाकर मर जाऊंगा। इतना ही नहीं, पीड़ित के मुताबिक, उसने दो लाख रुपये दिवाली से पहले ही जमा किये हैं तीन लाख रुपये और जमा करने हैं। पीड़ित ने कहा हम बकाया

जमा कर देंगे लेकिन अभी मेरे पास इतने पैसे नहीं है। संतराम विश्कर्मा के छोटे भाई ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे के करीब अधिकारियों ने आलमबाग-कानपुर रोड पर स्थित हमारी दुकान सीज कर दी थी। इसको लेकर जब हम लोग नगर निगम जोन 5 के ऑफिस पहुंचे तो वहां अधिकारी नहीं मिले। 2 बजे के करीब जब अधिकारी लोग आए तो हमारे बड़े भाई उनसे मिलने गए। वहां अधिकारियों ने बकाया पैसे की मांग की तो भाई ने कहा कि अभी दो महीने पहले ही दो लाख रुपये जमा किए हैं तो इतनी जल्दी नहीं जमा कर पाएंगे।

पीएम के खिलाफ रावण टिप्पणी पर बोले खरगे

51 सालों का अनुभव, मैं व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ रावण शब्द का इस्तेमाल करने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भाजपा के निशाने पर हैं। अपने इस बयान पर खरगे ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी चुनावी लाभ के लिए उनकी टिप्पणी का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रही है।

खरगे ने कहा, कांग्रेस की राजनीति किसी एक व्यक्ति के खिलाफ या उसके बारे में नहीं है। हमारी राजनीति नीतियों को लेकर है। उन्होंने कहा, हम प्रदर्शन की राजनीति में विश्वास करते हैं, लेकिन भाजपा की राजनीतिक शैली में अक्सर लोकतंत्र की भावना का अभाव होता है।

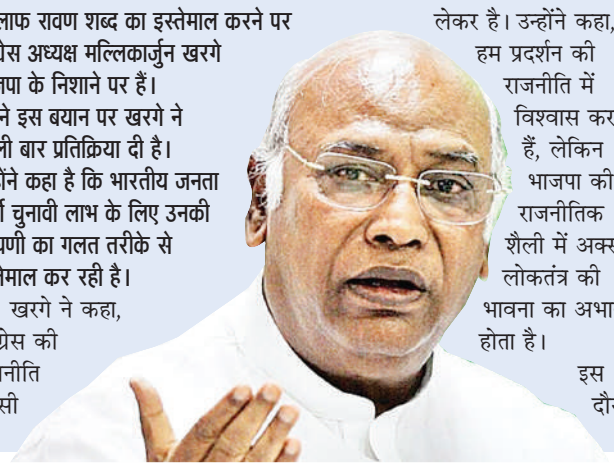

इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति हर जगह एक व्यक्ति विशेष पर केंद्रित होती है। वहीं, उन्होंने इशारों-इशारों में आम आदमी पार्टी को भाजपा की बी टीम करार देते हुए कहा कि आप किसी के इशारे पर कांग्रेस के वोटों को काटने का प्रयास कर रही है।

मैंने विकास और मंहगाई पर आलोचना की

खरगे ने कहा, मेरे पास 51 साल का संसदीय राजनीतिक अनुभव है। इसलिए मैं किसी व्यक्ति विशेष पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करता। मैंने विकास, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी के मुद्दों पर भाजपा सरकार की आलोचना की है।

क्या कहा था खरगे ने?

दरअसल, बीते दिनों अहमदाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा था कि पीएम मोदी हर चुनावों में लोगों को अपना चेहरा दिखाकर वोट मांगते हैं। आपके कितने चेहरे हैं, क्या आप रावण की तरह 100 सिर वाले हैं? खरगे के इस बयान के बाद भाजपा हमलावर हो गई और इसे प्रधानमंत्री मोदी और गुजरातियों का अपमान बताया।

एक बार फिर गैंगवार से दहला राजस्थान

दिनदहाड़े गैंगस्टर राजू ठेहट व उसके रिश्तेदार को गोलियों से भून दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीकर। राजस्थान एक बार फिर गैंगवार से दहल उठा। आज राजस्थान के सीकर जिला मुख्यालय पर दिनदहाड़े गैंगस्टर राजू ठेहट को गोलियों से भूनकर मार डालो। राजू ठेहट के साथ उसके एक रिश्तेदार को भी गोलियों से भून दिया गया। वारदात में उसकी भी मौत हो गई। राजू ठेहट की हत्या की वारदात के बाद पूरे सीकर जिले में हड़कंप मच गया। वहीं राजधानी जयपुर समेत प्रदेशभर में पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। राजू ठेहट की हत्या के बाद सीकर के कल्याण अस्पताल में भारी भीड़ जमा हो गई है। शहर में तनाव के हालात हो गए हैं। वहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार यह गैंगवार सीकर में पिपराली रोड पर सुबह करीब 10 बजे हुआ। गैंगस्टर राजू ठेहट लग्जरी लाइफ जीने का आदी था। राजू ठेहट के खिलाफ हत्या और अवैध वसूली समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। आज सुबह राजू ठेहट के साथ उसके एक रिश्तेदार पर उसकी प्रतिद्वंदी गैंग ने अंधाधुंध फायरिंग की। बताया जा रहा है कि गैंगवार में 50 से 60 राउंड फायरिंग की गई। उसमें राजू ठेहट और उसके रिश्तेदार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात की सूचना सीकर शहर में आग की तरह फैल गई।

सीकर में भारी पुलिस फोर्स तैनात

राजू ठेहट की हत्या के बाद सीकर समेत राजधानी जयपुर और प्रदेशभर की पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। हालात को देखते हुए सीकर में कल्याण अस्पताल समेत संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। राजधानी जयपुर से भी आला अधिकारी सीकर पहुंच रहे हैं। आरोपियों की धरपकड़ के लिए ए-श्रेणी की नाकाबंदी करवाई गई है। लेकिन अभी तक हमलावरों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

दहशत का माहौल

पूरे सीकर में दहशत का माहौल हो गया। वहीं राजू ठेहट की हत्या की खबर से पुलिस प्रशासन के भी होश उड़ गए। पुलिस के आलाधिकारी आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। इस बीच राजू ठेहट और उसके रिश्तेदार को कल्याण अस्पताल ले जाया गया। वहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। राजू ठेहट की हत्या की खबर के बाद अस्पताल में भारी भीड़ जमा हो गई। राजू ठेहट के समर्थकों ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव उठाने से इनकार कर दिया। वहीं तेजा सेना ने तत्काल सीकर बंद का आह्वान कर दिया। उसके बाद पूरा बाजार बंद कराया जाने लगा। वहीं कुछ व्यापारियों ने मारे डर के पहले ही दुकानें बंद कर दी।

गैंगस्टर एक्ट में बंद सपा विधायक नाहिद हसन रिहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में करीब साढ़े 10 माह से जेल में बंद सपा विधायक नाहिद हसन जेल से रिहा हो गए हैं। 15 जनवरी को गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चलने पर कैराना पुलिस ने सपा विधायक नाहिद हसन को गिरफ्तार किया था। पिछले कई माह से विधायक नाहिद हसन का मुजफ्फरनगर की जेल से चित्रकूट जनपद की जेल के लिए स्थानांतरण कर दिया था, यूपी विधानसभा चुनाव में नाहिद हसन पर खूब राजनीति हुई थी।

शुक्रवार को उनके अधिवक्ताओं ने कैराना स्थित एमपी एमएलए कोर्ट में विधायक की जमानत के लिए एक-एक लाख रुपये के दो जमानतियों के प्रपत्र जमा किए। दोनों जमानतियों के प्रपत्रों की तहसील और थाने से तस्दीक कराई गई। तस्दीक होने के बाद शाम को कोर्ट ने विधायक की रिहाई के लिए चित्रकूट जेल अधीक्षक को परवाना जारी कर दिया। वहीं, कोर्ट के पैरोकार द्वारा परवाना लेकर चित्रकूट जेल के लिए रवाना हो गए। सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर सपा विधायक की जेल से रिहाई हुई, मुस्कुराते हुए सपा विधायक जेल से बाहर निकले और समर्थकों से घिर गए।

फोटो :4 पीएम

यूपी कोआपरेटिव बैंक के आठवें तल पर लगी आग

राजधानी लखनऊ स्थित यूपी कोऑपरेटिव बैंक के आठवें तल पर आज शनिवार की सुबह अचानक आग लग गई। आग लगने से लोगों में अफरा तफरी मच गई। बता दें कि बैंक का मुख्यालय हजरतगंज में डीएम आवास के बगल में है। यहां शार्ट सर्किट के कारण बिल्डिंग के आठवें तल पर आग का लगना बताया जा रहा है। हालांकि आग पर काबू पा लिया गया है।

मेयर संयुक्ता भाटिया को उड़ीसा में मिला सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर जहां पूरे देश में प्रदूषण की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है और इस समस्या पर कैसे काबू पाया जाए इसको लेकर मंथन हो रहा है, ऐसे दौर यह खबर सुकून देने वाली है कि हमारे शहर में वायु की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि हम पूरे देश में नंबर वन है। आपको यकीन नहीं हो रहा होगा लेकिन यह बात सौ फीसदी सच है।

उड़ीसा में आयोजित हुए एक समारोह में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में नेशनल रैंकिंग में हम टॉप पर है। इसके लिए जहां एक ओर आम आदमी की जागरुकता से इंकार नहीं किया जा सकता तो वहीं दूसरी ओर नगर की मेयर संयुक्ता भाटिया के इस दिशा में किए गए प्रयास माइल स्टोन साबित हो रहे हैं। दरअसल अपने पांच साल के कार्यकाल में लखनऊ की मेयर ने इस दिशा में ठोस कार्य किए हैं। जहां एक ओर सफाई को लेकर उन्होंने अभियान चलाया तो वहीं दूसरी ओर लोगों में जागरुकता पैदा की है। पौधरोपण का काम भी राजधानी में श्रीमती भाटिया के कार्यकाल की की जो सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है वह यह हैं क उन्होंने शहर में वायु की गुणवत्ता को सुधारने की गरज से एयर क्वालिटी मशीनों का भी प्रयोग किया था, जिसके फलस्वरूप ही आज हमें देश में नंबर वन होना का तमगा मिला हे।

उड़ीसा में आयोजित एक समारोह में नगर की मेयर संयुक्ता भाटिया को उनके इस कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उनको डेढ़ करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी गई है।

आज उपचुनाव के प्रचार का अंतिम दिन

राजनीतिक दलों के दिग्गजों ने झोंकी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र, रामपुर और खतौली विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव के प्रचार का शोर आज यानि शनिवार शाम 6 बजे थम तक जाएगा। उप चुनाव में प्रचार के अंतिम दिन से पहले शुक्रवार को भाजपा, सपा और रालोद ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी और रामपुर में चुनावी सभा कर सपा पर हमला बोला।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मैनपुरी में प्रचार किया। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र, रामपुर और खतौली विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव के लिए 5 दिसंबर को मतदान होना है। तीनों क्षेत्रों में शनिवार शाम 6 बजे तक रोड शो, रैलियां खत्म हो जाएंगी। शुक्रवार को मैनपुरी में एक छोर पर मुख्यमंत्री योगी ने मोर्चा संभालते हुए सपा पर हमला बोला। वहीं दूसरे छोर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी डटे रहे। दोनों ने परिवारवाद के खिलाफ पिछड़े वर्ग के रघुराज शाक्य के लिए वोट मांगे। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी खतौली में पार्टी प्रत्याशी मदन भैया के लिए घर घर

जा कर प्रचार किया। भाजपा सरकार के मंत्रियों और पदाधिकारियों ने खतौली में पार्टी प्रत्याशी राजकुमारी सैनी के पक्ष में प्रचार किया।

सीएम योगी ने रामपुर में सभा कर आकाश सक्सेना को जिताने की अपील की। वहीं सपा के पूर्व विधायक आजम खान पर भी हमला बोला। उधर, आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम ने भी सपा प्रत्याशी असीम रजा के समर्थन में प्रचार किया।

लोकसभा चुनाव-2024 फतह करने के लिए भाजपा यूपी में मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के सभी मजबूत किला ध्वस्त करने में जुटी है। अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने में जुटी भाजपा मैनपुरी, रामपुर और खतौली के उप चुनाव में विजय का बिगुल फहराकर जनता में बड़ा संदेश देना चाहती है। उधर सपा भी अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पार्टी मुखिया अखिलेश यादव मैनपुरी का मजबूत किला बचाने के लिए न सिर्फ रूठे चाचा को मनाने में सफल रहे बल्कि जनता से भावनात्मक रिश्ता भी कायम कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।